

वडनगर: भारत का प्राचीनतम जीवंत शहर

स्रोत: द हट्टि

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (खडगपुर) तथा [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण \(Archaeological Survey of India- ASI\)](#) के एक संयुक्त अध्ययन किये जसके अनुसार हड़प्पा के पतन के बाद भी गुजरात स्थिति वडनगर में सांस्कृतिक नरंतरता के पुरातात्विक प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

- यह अध्ययन [हड़प्पा सभ्यता](#) के पतन के बाद भी वडनगर में सांस्कृतिक नरंतरता का पुरातात्विक प्रमाण प्रदान करके "अंधकार युग" की धारणा को चुनौती देता है।

वडनगर में उत्खनन से संबंधित मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **बस्ती की समयावधि:**
 - अध्ययन से वडनगर में **800 ईसा पूर्व** प्राचीन मानव बस्ती के साक्ष्य का पता चलता है।
 - जसके परिणामस्वरूप इसे **उत्तर-वैदिक/पूर्व-बौद्ध महाजनपद** अथवा कुलीन गणराज्य काल के समय का माना जा रहा है।
- **जलवायु प्रभाव:**
 - 3,000 वर्ष की अवधि में वभिन्न राज्यों के उत्थान तथा पतन के साथ-साथ मध्य एशियाई कारकों द्वारा नरंतर आक्रमण किये गए जसका कारक **जलवायु में हुए गंभीर परिवर्तनों**, जैसे वर्षा अथवा सूखे की स्थिति में परिवर्तन को माना जाता है।
- **बहुसांस्कृतिक एवं बहुधार्मिक बस्ती:**
 - वडनगर को एक बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक बस्ती के रूप में वर्णित किया गया है जसमें **बौद्ध, हट्टि, जैन तथा इस्लामी** प्रभाव शामिल हैं।
 - उत्खनन से **सात सांस्कृतिक चरणों (अवधि) का पता** चला, जनिमें मौर्य, इंडो-ग्रीक, इंडो-सीथियन, हट्टि-सोलंकी, सल्तनत-मुगल एवं गायकवाड़-ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन शामिल हैं, जो आज तक वदियमान हैं।
- **पुरातात्विक कलाकृतियाँ:**
 - खुदाई के दौरान वभिन्न पुरातात्विक कलाकृतियों की खोज की गई, जनिमें मट्टी के बर्तन, ताँबा, सोना, चाँदी और लोहे की वस्तुएँ शामिल थीं।
 - नषिकर्षों में **इंडो-ग्रीक शासन काल की जटलि रूप से डिज़ाइन की गई चूड़ियाँ तथा सकिकों के साँचे** भी शामिल हैं।
- **बौद्ध वहार:**
 - महत्त्वपूर्ण खोजों में से एक वडनगर में सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक की उपस्थिति है, जो **इस्बस्ती की ऐतहासिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि** को बढ़ाती है।
- **रेडियोकार्बन तथियाँ:**
 - अपरकाशित रेडियोकार्बन तथियों से पता चलता है कयिह बस्ती 1400 ईसा पूर्व की हो सकती है, जो **अंधयुग की धारणा** को चुनौती देती है।
 - "अंधयुग" **सधु घाटी सभ्यता** के पतन और भारतीय इतहास में **लौह युग** एवं गांधार, कोशल तथा अवंती जैसे शहरों के उद्भव के बीच की अवधि को संदर्भित करता है।
 - यदयिह सच है, तो इसका तात्पर्य भारत में पछिले **5500 वर्षों से सांस्कृतिक नरंतरता** है।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI):

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) संस्कृतमंत्रालय के तहत देश की सांस्कृतिक वरिसत के पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण के लयि **प्रमुख संगठन** है।
- इसके कार्यों में पुरातात्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्विक स्थलों की खोज एवं उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव करना आर्द शामिल है।
- यह 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसके अलावा यह **प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958** के प्रावधानों के अनुसार देश में सभी पुरातात्विक गतिविधियों को वनियमति करता है। यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृता अधिनियम, 1972 को भी नयितरति करता है।
- इसकी स्थापना वर्ष **1861** में **ASI** के पहले महानदिशक **अलेक्जेंडर कनधिम** ने की थी। अलेक्जेंडर कनधिम को "भारतीय पुरातत्त्व के

जनक" के रूप में भी जाना जाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/vadnagar-india-s-oldest-living-city>

